

## (हरयाणवी) Script of fresher 2021

- चिरंजीव : मॉडेम जी, मुन्ने भूल गये के,  
एंटी के बाद - (\* पूरा ही बजाओ गे )  
“आज का जमाना टैंसन का जमाना -  
ताऊ के ताई की टैंसन  
मानस के लुगाई की टैंसन  
रांडा के सगाई की टैंसन ”  
तो सब तै आड़े बैठे सभी गुरुजना नै, चीफ गेस्टा ने, सफेदे वर्गे छोरा और बिजबंटी वर्गी  
छोरिया ने चिरंजीव कश्यप की प्यार भरी हाथ जोड़ के राम राम
- चिरंजीव: हाँ जी, यो प्रोग्राम शुरू करने से पहले मैं अपने गुरुजनो का धन्यवाद करता हूँ की उन्होंने मुझे  
प्रोग्राम में एंकर रखा और मेरी को-होस्ट इनको
- अंजली: अब तक कहा थे आप
- चिरंजीव: हम तो पाछै ही बैठे थे हमे नु कही थी की दोनों साथ जाना आप कैलै ही चलेंगे
- अंजली: अच्छा अब आगये हो तो शुरू करे
- चिरंजीव: हाँ, शुरू करते है लेकिन मैं आप के लिए कुछ लाया था
- अंजली: क्या
- चिरंजीव: **(फूल देने के बाद)** वैसे बाते बहुत करती हो आप
- अंजली: ये आप फूल दे रहे हो, साथ में कुछ बोलना भी तोह पड़ता है न सिर्फ फूल देने से क्या होगा
- चिरंजीव: बोलने की duty मत लगाओ कुछ भुण्डा निकल जागा
- अंजली: अल्फ़ाज़ ज्यादा जरूरी होते है जब तक जज़्बात कैसे पता चलेंगे
- चिरंजीव: ये ही तोह बात है ने, feeling देखो मैडम feeling
- चिरंजीव: वैसे एक बात का यकीन मुझे आपको देखकर हो गया है की दुनिया में सच्चा प्यार  
होता है
- अंजली: अच्छा ऐसे कैसे
- चिरंजीव: मैडम आपसे जिसको होगा सच्चा ही होगा
- चिरंजीव: वैसे vacancy खाली है की कोई फार्म भर गया
- अंजली: सच बोलू दिल से.....  
बता दू क्या.....  
पक्का.....

चिरंजीव: इतने प्यार से पूछोगी तोह मैं अपना नाम भूल जाऊंगा

अंजली: एक vacancy खाली है जो मैं चाहती हूँ आप भर दो और वो है मेरे भाई की

चिरंजीव: मे कभी किसी लड़की का दिल तोड़ता नहीं, पर मैं क्या करूँ मैं अपनी माँ से ज़्यादा प्यार करता हूँ उसे बहु की ज़्यादा जरूरत हैं भाई बताओ माँ की बात पूरी नहीं करनी चाहिए, करनी चाहिए की नहीं

अंजली: बहु से ज़्यादा बेटी सेवा करती है वो भी पूरे दिल से

चिरंजीव: हाँ, तोह आप बेटी बनके आ जाओ ने

अंजली: इसलिए तो कह रही हूँ बहन बना लो ना

चिरंजीव: मेरे कुछ ज़्यादा स्वार्थ नहीं है

अंजली: इसलिए तो कह रही हूँ बहन बना लो ना

चिरंजीव: वैसे such a beautiful co-host, such a beautiful co-host thank you mam ये english वाली लाइन के लिए ये एक ही आती थी

अंजली: जो बादल गरजते हैं वो बरसते नहीं हैं

चिरंजीव: देखियो मैडम कदे भिज जाओ

अंजली: start करे फिर

चिरंजीव: चलो, वैसे हमारा दिल जनता है हमे कभी रिस्तेदारी में इतनी इज्जत नहीं मिली जितनी आज मिल रही हैं